कंटेनर हैंडलिंग सुविधाएं:

परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक प्रौद्योगिकीय उन्नति के साथ तालमेल रखने के लिए, आधुनिक कंटेनर हैंडलिंग विकसित करने वाला कोलकाता पोर्ट देश में पहला था।

घाट क्रेन और रेल घुड़सवार गैन्ट्री क्रेन (आरएमजीसी), ट्रैक्टर/ट्रेलर संयोजन और एक कंटेनर फ्रेट स्टेशन सहित एक कंटेनर टर्मिनल 1977 में एचडीसी में स्थापित किया गया था।

कंटेनर्स किनारे की ओर क्रेन का उपयोग कर बंदरगाह श्रमिकों या गियरलेस वाहिकाओं द्वारा संचालित शिप के गियर का उपयोग कर हल्दिया में नियंत्रित किए जाते हैं। घाट और कंटेनर पैकिंग यार्ड के बीच चलन पोर्ट स्वामित्व ट्रैक्टर/ट्रेलरों और/या शिपिंग कंपनियों या उनके एजेंटों द्वारा नियुक्त ऑपरेटरों द्वारा किया जाता है। पार्किंग यार्ड में हैंडलिंग पोर्ट हस्तांतरण क्रेन या निजी उपकरण द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में एचडीसी कोलकाता पोर्ट के कुल कंटेनर प्रवाह क्षमता का लगभग 30 प्रतिशत संभालता है और शेष कोलकाता डॉक सिस्टम द्वारा संभाला जाता है।

कोलकाता पोर्ट के माध्यम से कंटेनर यातायात प्रवाह का बड़ा भाग सिंगापुर जैसे जुड़े डाक पोर्ट में मुख्य जहाजों के साथ जुडे फिडर जहाजों द्वारा किया जाता है। कोलंबो और पोर्ट केलंग व शेष कोंबी-जहाजों द्वारा ढके हैं। वर्तमान में कोलकाता डॉक सिस्टम में कंटेनर यातायात मोबाइल हार्बर क्रेन्स के साथ शिप/क्रेन द्वारा संभाले जाते हैं।

कंटेनर रबड़-टायरड गेंट्री क्रेन, प्राइम मूवर्स, रीच स्टेकर्स आदि द्वारा कंटेनर यार्ड में स्टेकिंग यार्ड और स्टेकड/अनस्टेकड से और तक चलते हैं।

18 फरवरी, 1992 पर 7 एनएसडी में बंदरगाह रन कंटेनर टर्मिनल की स्थापना के बाद से लगभग 90 प्रतिशत यातायात 7, 8, 4 और 5 एनएसडी में कंटेनर टर्मिनल पर और शेष 10 प्रतिशत एनएसडी और केपीडी की अन्य बर्थ से नियंत्रित किया जाता है। सभी प्रतिष्ठित कंटेनर ऑपरेटर कोलकाता पोर्ट से काम कर रहे हैं और वे हैं: अमेरिकन प्रेसीडेंट लाइन, शिपिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया, हैपग लयोड, जिम इंटीग्रेडिट शिपिंग सर्विसेज, मेरस्क, मित्सुषी ओ.एस.के., यंग मिंग, एवरग्रिन मरीन कार्पोरेशन, मेडितारानिन शिपिंग कार्पोरेशन, कावासाकी किशन केशा लि. एनवाईके लाइन्स, वेब डियूटफ्रेचट, सवेन स्टार लाइन्स, हनजिन, हयूंडई, बेन लाइन, समूद्रा इंडोनेशिया, नॉर एशिया इत्यादि।

कोलकाता में पोत ऑपरेटर, बंगाल टाइगर लाइन, एक्ससीएल, एमसीसी, एससीआई, फार शिपिंग, एसीएल, समूद्रा, पीएसीसी, मेगा स्टार, ओईएल, सीएमए-सीजीएम, श्रेयस, सीवेज हब-लाइन्स हैं। वर्तमान में कोलकाता/हल्दिया अमिनगांव (गुवाहटी), बिरगंज, तुगलकाबा, लुधियाना, वादी बूदंर (मुंबई), बालेश्वर इत्यादि में इनलैंड कंटेर डिपो से जुड़ा है। बिरगंज, नेपाल में आईसीडी जो अक्टूबर 2004 में प्रचालनशील बन गया है कोलकाता पोर्ट से जुड़ा है और केडीएस (एनएस डॉक) और आईसीडी बिरगंज के बीच नियमित रैक गतिविधि कर रहा है।

कंटेनर में ले जाए जाने वाली मूल सामग्री चाय, जूट और जूट से बने उत्पाद, ढलवा लोहा सामान, मिका, चमड़े के उत्पाद, कपास के उत्पाद, लोहा व स्टील, मशीनरी, शैलक, तंबाकू, कॉरपेट सामग्री, शीशे की चादर, रीफर कार्गोख् एलुमिनियम इनगोट, कॉरपेट, रसायन आदि हैं। इसी बीच सार्वजनिक सीएफएस-एस ए/सी केंद्रीय वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन, बाल्मेर लॉरी और सेंचुरी प्लाईवुड स्वीकृत कस्टम प्रचालन में हैं। कुछ अन्य निजी सीएफएस-एस (सं. में आठ) भविष्य में जल्दी ही आने की संभावना है।

कोलकाता डॉक सिस्टम में मौजूदा कंटेनर टर्मिनल सुविधाएं

इस वर्ष 2007–08 में केडीएस में वार्षिक कंटेनर जलप्रवाह 2,97,287 टीईयूएस था। स्टेकिंग क्षेत्र सीएफएस मापन 9,000 वर्ग मीटर सहित 1,10,000 वर्ग मीटर है।

कंटेनर पार्क और अजर्निंग सुविधाएं 4 रबड़-टायरड ग्रेंट्री क्रेन, 40 हैवी ड्यूटी ट्रेक्टर्स, 10 रीच स्टेकर्स, 144 टीईयूएस के लिए ग्राउंड स्लॉट की रीफर सुविधाओं सहित आधुनिक कंटेनर हैंडलिंग उपकरण द्वारा काम किया जाता है। टर्मिनल में ऑन-लाइन प्रणाली है।

केओडीएस में कंटेनर हैंडलिंग सुविधाओं की सूची

	कोलकाता डॉक सिस्टम			
मद	*8 एनएसडी	7 एनएसडी	**4 एनएसडी	5 एनएसडी
घाट लंबाई (मीटर)	225	192		183
एप्रोन चैड़ाई (मीटर)	15.72	12.3	12.3	12.3
बर्थ सहित गहराई (मी)	8	7.8	7.6	6.5

वर्ग मीटर में बर्थ का खुला क्षेत्र	60.000		50.000	
वर्ग मीटर में कवर स्टोरज क्षेत्र		9,000		
समायोजित किए जाने के लिए जहाज के अधिकतम आकार		565'X 80		565' X 80
ग्राउंड स्लॉट क्षमता	एनएसडी में 3000 टीईयूएस			
लोकेशन सी.एफ.एस.		7 एनएसडी		
स्टोरेज क्षमता				
रीफर प्वाइंटस की संख्या (आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाई भी जा सकती है)		48 3		
द्वारा किया गया स्टफिंग/डीस्टफिंग		केओपीटी/सीडीएसबी		
कॉमन बुक-अप और सीएफएस सुविधाओं सहित 7 एनएसडी के निकटवर्ती				
अन्य सुविधाएं 5 एनएसडी के इनके साथ कॉमन हैं।				

कोलकाता डॉक सिस्टम के लिए विकास योजनाएं

<u>डायमंड हार्बर कंटेनर टर्मिनल</u>

हुगली नदी पूर्व किनारे में डायमंड हार्बर में एक समर्पित कंटेनर टर्मिनल का विकास की सिफारिश मंत्रालय द्वारा स्थापित एक उच्चस्तरीय समिति द्वारा की गई थी। सड़क मार्ग से लगभग 50 किमी दक्षिण में परियोजना स्थल की लगभग 1758.50 करोड़ की सांकेतिक लागत से परिकल्पना की गई है। परियोजना के पहले चरण में 900 मीटर की सटे घाट की लंबाई (डिजाइन

क्षमता: 25 लाख टन (12 लाख टीईयूएस) शामिल होगा। अनुमानित कंटेनर यातायात 1.2 मिलियन टीईयूएस है अर्थात् कंटेनर हैंडलिंग में 100 प्रतिशत की वृद्धि अनुबंध के पुरस्कार की तारीख से चार सालों के भीतर अपेक्षित यह कंटेनर टर्मिनल की स्थापना के साथ परिकल्पित किया गया है। आरएफपी दस्तावेज 27.11.13 से 05.12.13 तक प्रावधिक योग्य बोली लगाने वालों के लिए जारी किए गए हैं। आरएफपी प्रस्ताव प्राप्त करने की अंतिम तारीख 31.01.2014 निर्धारित की गई है। पीपीपीएसी की बैठक 26.12.2013 को आयोजित की गई। एलओए के पुरस्कार 2013-14 के अंतिम तिमाही में निर्धारित हैं।